

*This question paper contains 4 printed pages.*

6851

Your Roll No. ....

LL.B. / I Term

G

LB-101 : JURISPRUDENCE – I  
(Legal Method, Indian Legal System  
and Basic Theory of Law)

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

*(Write your Roll No. on the top immediately  
on receipt of this question paper.)*

NOTE:— *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी:— इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

*Attempt any five questions.  
All questions carry equal marks.*

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।  
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

UNIT I (इकाई I)

1. Identify major legal systems in the world and show how the civil law system can be differentiated from the common law system. Explain why India is called a mixed legal system.

P. T. O.

विश्व की प्रमुख वैधानिक प्रणालियों को चिह्नित कीजिए और दर्शाइए कि सिविल लॉ सिस्टम, कॉमन लॉ सिस्टम से कैसे भिन्न है। भारत को मिश्रित विधि (कानून) प्रणाली क्यों कहा जाता है, व्याख्या कीजिये।

2. (a) What do you understand by the Doctrine of Separation of Powers? Is the doctrine followed in India?

शक्ति के पृथक्करण के सिद्धांत से आप क्या समझते हैं? क्या भारत में इस सिद्धांत का अनुसरण किया जाता है?

- (b) How does Prof. Dicey explain the Doctrine of Rule of Law. Is it followed by the judiciary in India?

प्रो० डायसी ने रूल ऑफ लॉ की कैसे व्याख्या की है? क्या भारतीय न्याय व्यवस्था में इसका अनुसरण किया जाता है?

3. Write short notes on any *two* of the following:

- (a) Hierarchy of courts and jurisdiction in India
- (b) Overview of the system of Lok Adalat and development of the doctrine of Public Interest Litigation in India.
- (c) Briefly explain the Rules of Interpretation used by the Judiciary in interpreting statutes in India.

निम्न में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:

- (a) भारत में न्यायालयों का पदानुक्रम और क्षेत्राधिकार
- (b) भारत में जनहित याचिका के सिद्धांत का विकास तथा लोक अदालत प्रणाली का अवलोकन
- (c) भारत में न्यायपालिका द्वारा विधियों के अवलोकन में प्रयुक्त व्याख्या के नियमों को संक्षेप में समझाइए।

4. Explain Legislation and Precedent as the two main sources of law in any legal system.

किसी भी न्याय प्रणाली में विधान तथा पूर्ववर्तिता को कानून के दो मुख्य स्रोतों के रूप में समझाइए .

5. "John Austin first demarcates the province of jurisprudence and then goes on to explain what all is to be included in this province." Elucidate the above statement and make a special mention as to how Austin treats the status of customary and judge made law within such a province.

"जॉन ऑस्टिन ने सर्वप्रथम विधिशास्त्र का सीमांकन किया और उसके बाद इसकी व्याख्या की कि इस की चारदीवारी में क्या-क्या सम्मिलित किया जा सकता है।" उपरोक्त कथन का परीक्षण कीजिए। ऑस्टिन जिस प्रकार इस चारदीवारी के अंदर न्यायाधीश द्वारा बनाये तथा प्रथागत कानून का व्यवहार करते हैं, उसका विशेष वर्णन कीजिए।

6. (a) What are the three defects in a simple social structure of primary rules of obligation? How

does H.L.A. Hart try to remove them in a legal system?

कर्तव्य के प्राथमिक नियमों की सरल सामाजिक संरचना के तीन दोष क्या हैं? एक विधि प्रणाली में एच०एल०ए० हार्ट ने इनको दूर करने के क्या प्रयत्न किए?

- (b) Critically analyse Karl von Savigny's theory of Volksgeist.

कार्ल वॉन सेविग्नी के वॉल्क्सजीस्ट सिद्धांत का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए :

7. Describe Roscoe Pound's theory of balancing of interests. Critically analyse the theory with examples from the Indian legal system.

रोसको पाउण्ड के हितों के संतुलन के नियम की व्याख्या कीजिए। भारतीय विधि प्रणाली से उदाहरण देते हुए इस सिद्धांत का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

8. Explain how according to Hans Kelsen a legal order is a social, coercive and a normative order. Enumerate the different kinds of norms that can be identified in a legal order. Where will you place the Constitution of India according to Kelsen in the Indian legal system?

व्याख्या कीजिए हैंस कैल्सन के अनुसार वैधानिक क्रम किस प्रकार एक सामाजिक, बाध्यकारी और मानकीय क्रम है। कानूनी क्रम में विभिन्न प्रकार के मानक गिनाइए जो पहचाने जा सकते हैं। कैल्सन के अनुसार भारतीय विधि प्रणाली में आप भारतीय संविधान को कहाँ रखेंगे?